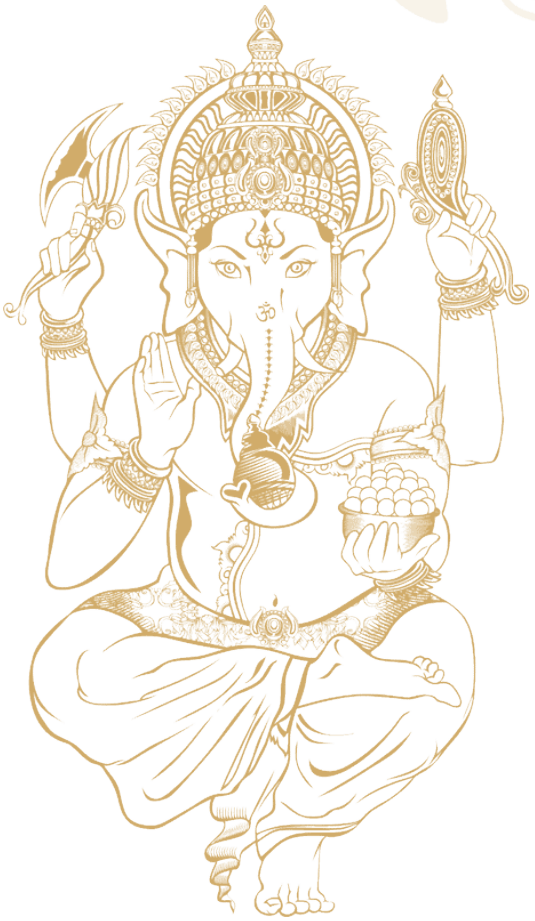

Mr.

06 Apr 2026

09:33 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121846704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:33:00 घंटे**
इष्ट	38:37:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:11:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	10:11:41 घंटे
सूर्योदय	06:05:59 घंटे
सूर्यास्त	18:41:41 घंटे
दिनमान	12:35:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:38:09 मीन
लग्न के अंश	00:16:59 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:16:59	306:47:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			मीन	22:38:09	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	13:59:36	11:54:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	03:19:15	00:46:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	25:03:10	01:06:40	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:58:13	00:04:52	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	14:23:08	01:13:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:01:30	00:07:25	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:01:10	00:05:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:01:10	00:05:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:47:25	00:02:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:11:23	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:04:32	00:00:50	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	06:39:00	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

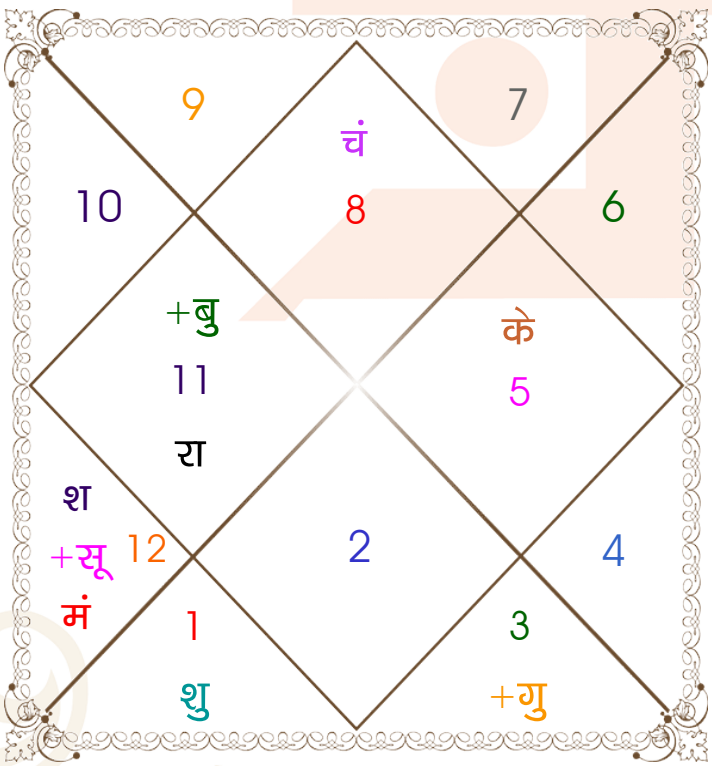

चन्द्र कुंडली

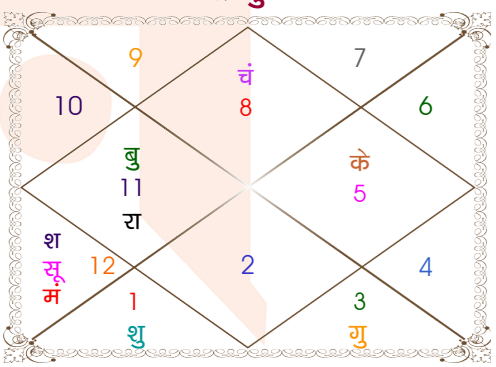

नवमांश कुंडली

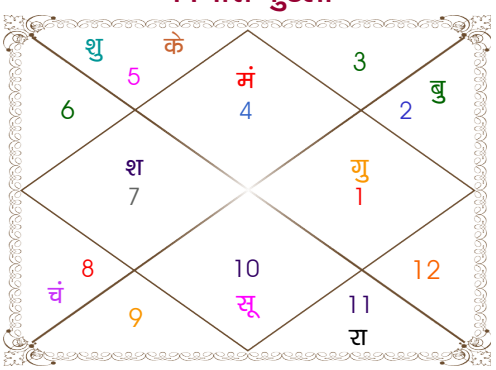

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 9 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/04/2026		27/01/2030		27/01/2047		27/01/2054		27/01/2074	
27/01/2030		27/01/2047		27/01/2054		27/01/2074		27/01/2080	
	00/00/0000	बुध	24/06/2032	केतु	25/06/2047	शुक्र	28/05/2057	सूर्य	16/05/2074
	00/00/0000	केतु	22/06/2033	शुक्र	24/08/2048	सूर्य	29/05/2058	चंद्र	15/11/2074
	00/00/0000	शुक्र	22/04/2036	सूर्य	30/12/2048	चंद्र	27/01/2060	मंगल	23/03/2075
	00/00/0000	सूर्य	26/02/2037	चंद्र	31/07/2049	मंगल	28/03/2061	राहु	15/02/2076
	00/00/0000	चंद्र	28/07/2038	मंगल	27/12/2049	राहु	28/03/2064	गुरु	03/12/2076
	00/00/0000	मंगल	26/07/2039	राहु	15/01/2051	गुरु	27/11/2066	शनि	15/11/2077
	06/04/2026	राहु	11/02/2042	गुरु	22/12/2051	शनि	27/01/2070	बुध	21/09/2078
राहु	17/07/2027	गुरु	19/05/2044	शनि	30/01/2053	बुध	27/11/2072	केतु	27/01/2079
गुरु	27/01/2030	शनि	27/01/2047	बुध	27/01/2054	केतु	27/01/2074	शुक्र	27/01/2080

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/01/2080		27/01/2090		27/01/2097		28/01/2115		28/01/2131	
27/01/2090		27/01/2097		28/01/2115		28/01/2131		00/00/0000	
चंद्र	27/11/2080	मंगल	25/06/2090	राहु	10/10/2099	गुरु	17/03/2117	शनि	31/01/2134
मंगल	28/06/2081	राहु	13/07/2091	गुरु	05/03/2102	शनि	29/09/2119	बुध	10/10/2136
राहु	28/12/2082	गुरु	18/06/2092	शनि	09/01/2105	बुध	03/01/2122	केतु	19/11/2137
गुरु	28/04/2084	शनि	28/07/2093	बुध	30/07/2107	केतु	10/12/2122	शुक्र	18/01/2141
शनि	27/11/2085	बुध	25/07/2094	केतु	16/08/2108	शुक्र	10/08/2125	सूर्य	31/12/2141
बुध	28/04/2087	केतु	22/12/2094	शुक्र	17/08/2111	सूर्य	30/05/2126	चंद्र	02/08/2143
केतु	27/11/2087	शुक्र	21/02/2096	सूर्य	11/07/2112	चंद्र	29/09/2127	मंगल	10/09/2144
शुक्र	28/07/2089	सूर्य	28/06/2096	चंद्र	10/01/2114	मंगल	03/09/2128	राहु	07/04/2146
सूर्य	27/01/2090	चंद्र	27/01/2097	मंगल	28/01/2115	राहु	28/01/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 9 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।